वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 93 | शनिवार 27 जुलाई 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राजस्थान में पूर्व खिलाड़ियों को मिलेगी 20 हजार पेंशन

जयपुर. कासं

राजस्थान में 11 साल के लंबे इंतजार के बाद नई खेल नीति लाने की तैयारी की जा रही है। इसको लेकर खेल विभाग के अधिकारियों ने ड्राफ्ट तैयार कर लिया है। इसके तहत अब शहरों और गांव के साथ कस्बों और ढाणियों में भी खिलाड़ियों की तलाश के लिए प्रोग्राम चलाए जाएंगे। वहीं, पूर्व खिलाड़ियों को 20 हजार रुपए तक पेंशन और खिलाड़ियों को 10 लाख रुपए तक का इंश्योरेंस कवरेज दिया जाएगा। नई खेल नीति के तहत प्रदेश में पहली बार स्पोर्ट्स पेंशन प्रोग्राम की प्लानिंग की जा रही है। इसके तहत एथलीट, पैरा एथलीट और कोच को हर महीने 20 हजार रुपए पेंशन के रूप में देने का प्रावधान किया गया है। यह पेंशन ओलिंपिक गेम्स, पैरा ओलिंपिक गेम्स, एशियन गेम्स, पैरा एशियन गेम्स, कॉमनवेल्थ गेम्स, पैरा कॉमनवेल्थ गेम्स में मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों को दी जाएगी। इसके साथ ही अर्जुन और द्रोणाचार्य अवॉर्ड प्राप्त करने वाले कोच को भी इसमें शामिल किया गया है। नई नीति के तहत खिलाड़ियों को मेडिकल इंश्योरेंस की सुविधा भी दी जाएगी। इसके तहत इंटरनेशनल लेवल के खिलाड़ियों को 10 लाख और नेशनल लेवल के खिलाड़ियों को 5 लाख का इंश्योरेंस कवरेज दिया जाएगा।

देवनानी ने शहीदों को किया नमन

अमर जवान ज्योति पर पुष्प चक्र किया अर्पित— साहस, समर्पण और अदम्य पराक्रम के जज्बे का परिचय देता है यह दिवस

जयपुर. कासं

राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शुक्रवार को यहां अमर जवान ज्योति पर पहुंच कर शहीद स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित कर शहीदों को नमन किया। देवनानी ने वहां विजिटर्स बुक में लिखा कि करगिल विजय दिवस भारतीय इतिहास का महत्वपूर्ण अध्याय है। यह साहस, समर्पण और अदम्य पराक्रम के जज्बे का परिचय देता है। देश के वीर सैनिकों ने करगिल में -37 डिग्री तापमान पर निष्ठा से देश की रक्षा की। देश की रक्षा करने वाले जवानों की देश भक्ति नई पीढी के लिए प्रेरणास्त्रोत है। राष्ट्र प्रथम की भावना से ही हम सभी को कार्य करना होगा। करगिल के 25 वें विजय दिवस पर मैं शहीदों को नमन करता हूं। इस मौके पर मंत्री राज्यवर्धन राठौड, भारतीय सेना के अधिकारीगण विधानसभा के प्रमुख सचिव महावीर प्रसाद शर्मा, वरिष्ठ उप सचिव पुरुषोत्तम शर्मा सहित गणमान्य नागरिकगण मौजूद थे।

शहीद स्मारक पर मनाया गया करगिल विजय दिवस, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने पुष्पचक्र अर्पित कर शहीदों को किया नमन

जयपुर. कासं

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कारगिल विजय दिवस की 25 वीं वर्षगांठ के अवसर पर शुक्रवार को दौसा में कलेक्ट्रेट चौराहा स्थित शहीद स्मारक पर प्रदेश गौरव सैनानी एसोसिएशन, दौसा के सौजन्य से आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्र की रक्षा हेतु अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैन्यकर्मियों को पुष्पचक्र अर्पित कर नमन किया एवं शहीद वीरांगनाओं को सम्मानित किया। उपमुख्यमंत्री ने करगिल में मातृभूमि की रक्षा में अपना सर्वस्व अर्पण करने वाले मां भारती के अमर वीर शहीदों को कोटि-कोटि नमन करते हुए करगिल विजय दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी। उपमुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में उपस्थित भूतपूर्व

सैनिकों एवं आमजन को बताया कि उपमुख्यमंत्री से पहले मैं स्वयं एक सैन्यकर्मी की बेटी हूं। सैनिक हमारे समाज का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो देश की संप्रभुता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर देते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सैनिकों से विशेष जुड़ाव होने के कारण प्रधानमंत्री त्यौहार एवं विशेष अवसरों को सीमाओं पर सैनिकों के मध्य पहुंचकर मनाते हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि आपने जो वाजिब मांगे रखी है, उनका मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से विचार-विमर्श कर यथोचित समाधान निकालने का हर संभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार जन - जन तक पहुंचकर उनकी समस्याओं को हल करने के लिए कटिबद्ध है, इसी दिशा में लगातार कार्य करते हुए राज्य सरकार ने संशोधित ईआरसीपी परियोजना, बिजली की कमी को दूर करने के लिए समझौते किए हैं जिससे आने वाले दो वर्षों में संपूर्ण राजस्थान में 24 घंटे बिजली उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में हमारी सरकार ने समावेशी बजट प्रस्तुत किया है जिसमें समाज के प्रत्येक वर्ग और क्षेत्र को सौगातें दी हैं।

भव सुधारना है तो अपने भावों को सुधारिये: आचार्य सुन्दर सागर महाराज

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। हाउसिंग बोर्ड में स्थित सुपार्श्वनाथ पार्क में धर्मसभा में दिव्य तपस्वी राष्ट्रीय संत आचार्य सुन्दर महाराज ने सुन्दर देशना के तहत उद्बोधन में बताया कि अगर अगला भव सुधारना है तो अपने भावों को सुधारिये। भावों की दशा निर्मलता, सहजता, मंद कशाय, धर्म मे लीनता आपके गुण स्थान को उपर उठायेगी और एक दिन आपको गुण स्थानान्तरित कर भगवान प्राप्ति की ओर उन्मुख करेगी। चतुर्मास के चार माह दिगंबर संतो का सानिध्य मिला है जो आपके कर्म निर्जरा का निमित्त बना सकता है। अपने भावों को ऊँचा उठाकर, पुण्य का संचय करने का, अशुभ से बचने का अवसर मिला है। अगर सुखी और शांत जीवन जीना है तो संयम धारण करना होगा। संयम धारण का अर्थ है आत्मा का निर्मल होना। ये जीवन आत्मा को परमात्मा बनाने के लिए मिला है, अगर हमारी दिशा सही होगी तो दशा भी सही होगी। जीवन वितराग धर्म का लक्ष्य लेकर चले, अपना मोक्ष मार्ग की ओर बढ़कर जीवन को प्रशस्त करे। मन, वचन और काया की अशुभ प्रवृति से अशुभ कर्म का बंध होता है, निज में भगवान के दर्शन कर लेता है, वह एक दिन भगवान बन जाता है। इससे पूर्व आर्यिका सुलक्ष्यमति माताजी ने अपने प्रवचन मे कहा कि मनुष्य इच्छाओं का गुलाम है, वो कभी पूरी नही होती। एक इच्छा पूरी होते ही अनंत दुसरी इच्छाएँ मनुष्य के मन मे जागृत हो जाती है, इसीलिए वो दुःखी है। अपनी सांसारीक इच्छाओं को नियंत्रण कीजिये, उनका निरोध तप है, तप से कर्मो की निर्जरा होगी जो अंत मे मोक्ष तक ले जायेगी और संसार के दुःखो से हमेशा हमेशा के लिए मुक्ति दिलायेगी। धर्मसभा का संचालन पद्म चन्द काला ने किया। राष्ट्रीय संत आचार्य सुन्दर सागर जी के सुन्दर प्रवचनों से अच्छी खासी श्रद्धालु (भक्तों) की भीड़ रहने लगी। श्रद्धालु को बहुत आध्यात्मिक आनन्द की अनुभूति हो रही है। समिति के अध्यक्ष राकेश पाटनी ने बताया कि धर्मसभा के प्रारंभ में पाद प्रक्षालन, शास्त्र भेंट किया। दीप प्रज्ज्वलन राकेश पाटनी, सुरेन्द्र काला, प्रदीप कासलीवाल, गुलाबचन्द शाह, अरविन्द अजमेरा, संदीप बाकलीवाल आदि ने व मंगलाचरण दीदीओं ने किया। सांयकाल शंका समाधान, महाआरती, धर्म कक्षाऐं आदि आयोजित हुई, जिनमें सैकड़ों श्रावक-श्राविकाओं ने बढ़कर-चढ़कर भाग लेकर अपनी शंकाओं का समाधान प्राप्त कर अपने ज्ञान की वृद्धि कर रहे है। मीडिया प्रभारी भागचन्द पाटनी ने बताया कि वर्षायोग के नियमित कार्यक्रम श्रृंखला में प्रातः 6.30 बजे भगवान का अभिषेक शांतिधारा, प्रातः 08.15 बजे नियमित प्रवचन, 10.00 बजे आहार चर्या, दोपहर 3 बजे शास्त्र स्वाध्याय चर्चा, सांय 6.30 बजे शंका समाधान इसके पश्चात गुरू भक्ति एवं आरती। अन्त में वैय्यावृति के कार्यक्रम होगें।

स्वभाव पर संगति का असर होता है: प्रणम्य सागर

अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज के मुखारबिन्द से। जयपुर में पहली बार हो रही जैन तीर्थंकर पार्श्वनाथ कथा

रविवार को दोपहर में होगा वर्षायोग मंगल कलश स्थापना समारोह

मीरा मार्ग के श्री आदिनाथ भवन में पार्श्वनाथ कथा श्रवण हेतु धर्म सभा में उमड़े श्रद्धालु

जयपुर. शाबाश इंडिया

अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज के मुखारबिन्द से मीरा मार्ग के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन भवन पर चल रही। पार्श्वनाथ कथा में शुक्रवार को मुनिश्री ने कहा कि सभी जीवों का अपना स्वभाव होता है। स्वभाव पर संगत का भी असर होता है। संगति स्वभाव को बिगाड सकती है तो सुधार भी सकती हैं। मुनि श्री ने कहा कि आज नवयुवक हर तरह का पाठ पढ रहा है, किन्तु चरित्रवान बनने के लिए वह कुछ भी नही पढ रहा है। इस मौके पर मुनिश्री ने पंच मुद्रा का अभ्यास भी कराया। पार्श्वनाथ की कथा श्रवण करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। इससे पूर्व मनीष - रचना चौधरी एवं संगीतकार नरेन्द्र जैन के निर्देशन में आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की संगीतमय पूजा की गई। आचार्य समय सागर महाराज एवं मुनि प्रणम्य सागर महाराज का अर्घ्य चढ़ाया गया। इस मौके पर समाजश्रेष्ठी नरेश कुमार संकेत कुमार जैन ने आचार्य विद्यासागर एवं आचार्य समय सागर महाराज के चित्र का अनावरण एवं भगवान आदिनाथ के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन किया। तत्पश्चात मुनि श्री के पाद पक्षालन कर पुण्यार्जन किया। आगरा निवासी संजीव - संगीता बाकलीवाल ने मुनि श्री को जिनवाणी भेट की। इस मौके पर मुनि भक्त श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के कार्याध्यक्ष प्रमोद पहाड़िया, उपाध्यक्ष उत्तम चन्द पाटनी,संयुक्त मंत्री दर्शन बाकलीवाल, राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा सहित मंदिर समिति अध्यक्ष सुशील पहाड़िया, मंत्री राजेन्द्र सेठी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील बैनाडा, उपाध्यक्ष तेज करण चौधरी, कोषाध्यक्ष लोकेन्द्र जैन,संयुक्त मंत्री मनोज जैन, संगठन मंत्री अशोक सेठी, सांस्कृतिक मंत्री जम्बू सोगानी व पूरी कार्यकारिणी समिति ने मुनि श्री को श्रीफल भेट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। संचालन विमल जैन ने किया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील बैनाडा एवं कोषाध्यक्ष लोकेन्द्र जैन ने बताया कि मीरा मार्ग के श्री आदिनाथ भवन पर मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में प्रतिदिन प्रातः धर्म सभा का आयोजन किया जा रहा है।

विद्या महिला मंडल के चुनाव मे निर्मला गदिया बनी अध्यक्ष

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। विद्या महिला मण्डल के चुनाव बुधवार को श्री दिगंबर जैन पंचायत नसिया में संपन्न हुए जिसमें निर्मला गदिया को सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया इसके साथ ही उपाध्यक्ष पद पर सीमा धगड़ा, सचिव पद पर बिन्दु काला, कोषाध्यक्ष पद पर बीना कासलीवाल को चुना गया । नव निर्वाचित कार्यकारिणी को मंडल की अन्य सदस्यों ने माला पहनाकर बहुमान किया। श्री विद्या महिला मण्डल की नव गठित नई कार्यकारिणी को श्री दिगम्बर जैन पंचायत की तरफ से अध्यक्ष अशोक काला, मंत्री दिनेश अजमेरा सहित समस्त कार्यकारिणी सदस्यों ने बधाई प्रेषित की ।

वैशाली नगर महिला मंडल द्वारा आवा में 'लहरिया उत्सव' का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। गुरुवार को श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर वैशाली नगर जयपुर की महिला मंडल द्वारा 'लहरिया उत्सव' का आयोजन अतिशय क्षेत्र आंवा (टोंक) में किया गया। महिला मंडल मंत्री विनीता जैन ने बताया कि 50 सदस्य बस से सुबह 7:00 बजे वैशाली नगर मंदिर से रवाना हो करके श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर आदिश्वर धाम चाकसू

पहुंची जहां पर सभी सदस्यों ने दर्शन करके अल्पाहार किया। तत्पश्चात वहां पर प्रज्ञा सागर जी महाराज के आशीर्वाद से वृक्षारोपण कार्यक्रम के बैनर का विमोचन महिला मंडल के सदस्यों के द्वारा किया गया और वृक्षारोपण भी किया गया। संतोष पाटनी ने बताया कि उसके पश्चात सदस्यों ने टोंक नसियां जी के दिगंबर जैन मंदिर के दर्शन किए, और फिर श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर आंवा अतिशय क्षेत्र पहुंचे। लता बाकलीवाल ने बताया की वहां पर महिला मंडल के द्वारा दर्शन के पश्चात 48 दीपक से रिद्धि सिद्धि मंत्रों के द्वारा भक्तामर जी का पाठ किया गया। अनिता जैन ने बताया कि उसके पश्चात सभी सदस्यों को विनीता जैन के द्वारा विभिन्न मनोरंजन गेम्स खिलाए गए, जिसमें सभी सदस्याओं ने भाग लिया, सोलह श्रृंगार थीम पर हाउजी खिलाई गई और लहरिया क्वीन का चुनाव पांच राउंड में लक गेम्स के माध्यम से किया गया। श्रीमती मंजू शाह को लहरिया क्वीन के किताब से नवाजा गया, फर्स्ट रनर अप श्रीमती ममता पटौदी और सेकंड रनर अप श्रीमती सुधा छाबड़ा रही। रेनू सेठी ने बताया कि सभी सदस्यों ने वहां सावन के गीत भी गाए और झूलों का भी आनंद लिया। अंत में महिला मंडल मंत्री विनीता बोहरा द्वारा सभी का आभार और धन्यवाद ज्ञापित किया गया और आंवा अतिशय क्षेत्र से वैशाली नगर के लिए वापसी बस रवाना हुई।

जिनधर्म और जिनवाणी पर श्रद्धा रखो : मुनि श्री समत्व सागर

जयपुर. शाबाश इंडिया

परम पूज्य आचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर के परम प्रभावक शिष्य मुनिश्री 108 समत्व सागर जी महाराज ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रभु जो भक्ति की जाती है, वंदना की जाती है, वह आत्म शांति के लिए की जाती है। जब हमारा मन शांत हो जाता है तभी हमारी बुद्धि प्रखरता को प्राप्त करती है। बुद्धि तभी प्रखर होती है जब हमारे परिणाम विषुद्ध होते है। उन्होंने आगे कहा कि आगम और बुद्धि में हमने आज तक बुद्धि का ही प्रयोग किया है आगम का नहीं। जबकि जिनवाणी आगम है जिसके श्रद्धान व सच्चे अध्ययन से ही जीवन में वास्तविक सुख को प्राप्त कर सकते है। जीवन में अगर ज्ञान भ्रष्ट है तो वह स्वयं डूबता ही है, साथ में दूसरे को भी लेकर डूबता है, जीवन में सच्चे ज्ञान की प्राप्ति केवल जिनवाणी के अध्ययन से प्राप्त कर सकते है जिसके सहारे संसार सागर से तिर सकते है। उन्होंने आगे कहा कि सत्य यही है कि आज हम अपनी सच्ची श्रद्धा से भटक गए है। इसलिए संसार सागर से मुक्त होने के लिए जिनधर्म और जिनवाणी पर श्रद्धा रखो। जिसने जीवन में आत्म लोक को जान लिए उसे किसी भी आत्म लोक को जानने की आवष्यकता नही है। मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष अरुण कुमार जैन मटरू व मंत्री जगदीश चन्द जैन ने बताया कि महाराजश्री के शनिवार को प्रवचन सुबह 8.15 बजे होंगे।

दिगंबर जैन पाठशाला के बच्चों ने कारगिल विजय दिवस मनाया

डडूका. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन पाठशाला डडूका के बच्चों ने कारगिल विजय दिवस पर देश के लिए अनाम उत्सर्ग करने वाले शहीदों की श्रद्धांजलि देकर देश रक्षा के लिए समर्पण का संकल्प लिया। पाठशाला प्रेरक अजीत कोठिया के नेतृत्व में पाठशाला के बच्चों ने देश भक्ति गीत प्रस्तुत किए तथा पाकिस्तान के विरुद्ध 60 दिन चले कारगिल युद्ध की शौर्य गाथाओं का वीरता पूर्वक बखान किया। कारगिल युद्ध की गौरवशाली गाथाएं बताते हुए पाठशाला प्रेरक अजीत कोठिया ने बच्चो को राष्ट्र रक्षा मे सदैव समर्पित रहने का आह्वान किया। संचालन सिद्धम जैन ने किया, आभार हर्षल जैन ने व्यक्त किया। माही जेन, चर्या शाह, मानवी जैन, कथनी जैन, जियाना जैन, दीक्षिता जैन, जियांशी जैन, क्रिया जैन, पुष्टि जैन, निश्चल जैन, योग्य जैन, कल्प जैन, तुभ्यम जैन, हर्षल जैन, देवर्ष शाह, भाग्य जैन, सिद्धम जैन, वैदिक जैन, दक्ष जैन, संचित शाह, भाग्य भरड़ा ने गीतमय श्रद्धांजलि दी।

वेद ज्ञान

जीवन में लक्ष्य बेहद जरूरी

हर मनुष्य के जीवन में लक्ष्य का होना बहुत जरूरी है। लक्ष्य के बिना उसका जीवन व्यर्थ होता है। एक राहगीर ने एक संत से पूछा कि महाराज यह रास्ता कहां जाता है? संत ने जवाब दिया कि ये रास्ता कहीं नहीं जाता है। आप बताइए कि आपको कहां जाना है? व्यक्ति ने कहा कि महाराज मुझे मालूम ही नहीं है कि जाना कहां है। संत ने कहा कि जब कोई लक्ष्य ही नहीं है तो फिर रास्ता कोई भी हो उससे क्या फर्क पड़ता है, आप भटकते रहिए। जिस व्यक्ति के जीवन में कोई लक्ष्य नहीं होता वह अपनी जिंदगी तो जीता है, लेकिन वह इसी राहगीर की तरह यहां-वहां भटकता रहता है। दूसरी ओर जीवन में लक्ष्य होने से मनुष्य को मालूम होता है कि उसे किस दिशा की ओर जाना है। वास्तव में असली जीवन उसी का है जो परिस्थितियों को बदलने का साहस रखता है और अपना लक्ष्य निर्धारित करके अपनी राह खुद बनाता है। महात्मा गांधी कहते हैं कि कुछ न करने से अच्छा है, कुछ करना। जो कुछ करता है, वही सफल-असफल होता है। हमारा लक्ष्य कुछ भी हो सकता है, क्योंकि हर इंसान अपनी क्षमताओं के अनुसार ही लक्ष्य तय करता है। विद्यार्थी के लिए परीक्षा में प्रथम आना तो नौकरी-पेशे वालों के लिए पदोन्नति पाना, जबकि किसी गृहणी के लिए आत्मनिर्भर बनना उसका लक्ष्य हो सकता है। हालांकि हर मनुष्य को बड़ा लक्ष्य तय करना चाहिए, लेकिन उसे प्राप्त करने के लिए छोटे-छोटे लक्ष्य बनाने चाहिए। जब हम छोटे-छोटे लक्ष्य रखते हैं और उन्हें हासिल करते हैं तो हममें बड़े लक्ष्यों को हासिल करने का आत्मविश्वास आ जाता है। स्वामी विवेकानंद कहते हैं कि जीवन में एक ही लक्ष्य बनाओ और दिन-रात उसी लक्ष्य के बारे में सोचो। स्वप्न में भी तुम्हें वही लक्ष्य दिखाई देना चाहिए। फिर जुट जाओ, उस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए। धुन सवार हो जानी चाहिए आपको। सफलता अवश्य आपके कदम चूमेगी। असल में जब आप कोई कर्म करते हैं तो जरूरी नहीं कि आपको सफलता मिल ही जाए, लेकिन आपको असफलताओं से घबराना नहीं चाहिए। अगर बार-बार भी असफलता हाथ आती है तो भी आपको निराश नहीं होना है। इस बारे में विवेकानंद कहते हैं, एक हजार बार प्रयास करने के बाद यदि आप हार कर गिर पड़े हैं तो एक बार फिर से उठें और प्रयास करें।

संपादकीय

महिला विधायक के लिए नीतीश कुमार के शब्द अनुचित

बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में नीतीश कुमार को एक विकासपरक सोच वाले व्यक्ति के रूप में जाना जाता है। खासतौर पर महिलाओं के हित में उनकी सरकार के कुछ काम महत्त्वपूर्ण रहे हैं। मगर पिछले कुछ समय से उनकी जुबान जिस कदर फिसल या लड़खड़ा रही है, उससे हैरानी होती है कि क्या ये वही नीतीश कुमार हैं जिन्हें भारतीय राजनीति में एक शालीन और महिलाओं के हितचिंतक राजनेता के रूप में देखा जाता रहा है! बुधवार को बिहार विधानसभा में राज्य के संशोधित आरक्षण कानून को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल किए जाने की मांग को लेकर चल रहे विपक्ष के हंगामे के बीच राष्ट्रीय जनता दल की महिला विधायक रेखा देवी को उन्होंने कह दिया कि ''अरे महिला हो, कुछ जानती नहीं हो''! एकबारगी इस तरह का बयान चौंकाने वाला लगता है कि सरकार के मुखिया रहते हुए नीतीश कुमार ने महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए जिस तरह कई अहम फैसले लिए, उसके बरक्स वे अपने विचार अभिव्यक्त करने वाली एक महिला विधायक को चुप कराने की मंशा से अपमानजनक तरीके से भी संबोधित कर सकते हैं! राज्य और देश की राजनीति में लंबा वक्त देने, एक परिपक्व और सौम्य व्यक्तित्व माने जाने और महिलाओं के हित में कई कदम उठाने वाले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को यह क्यों लगता है कि कोई महिला विधायक इसलिए कुछ नहीं जानती है, क्योंकि वह महिला है! हालांकि यह कोई पहली बार नहीं है कि नीतीश कुमार के मुंह से महिलाओं को अपमानित करने वाली इस तरह की भाषा का प्रयोग सुना गया। इससे पहले विधानसभा में ही अपने वक्तव्य में जनसंख्या नियंत्रण के मसले पर बोलते हुए वे नाहक ही आपत्तिजनक और अवांछित भाषा का इस्तेमाल कर चुके हैं। इसके अलावा, चुनाव और राजनीतिक अभियानों में भी वे अपने प्रतिद्वंद्वी नेता और उनके परिवार के बारे में दुराग्रहपूर्ण बातें बोल चुके हैं। अफसोसनाक यह भी है कि इस तरह की बातें उन्होंने किसी निजी दायरे की बातचीत में नहीं की, बल्कि सार्वजनिक मंचों पर अपने संबोधनों में की। ऐसा बोलते हुए उन्हें शायद एक पल के लिए भी नहीं महसूस हुआ कि उनके ऐसे बोल का संदेश आम जनता और खासकर महिलाओं के बीच कैसा जाएगा और खुद उनके व्यक्तित्व को किस नजरिए से देखा जाएगा! विडंबना यह है कि हाल के महीनों में नीतीश कुमार के कई बार नाहक ही आपा खोने, कुछ बयानों और हावभाव ने राजनीतिक गलियारों और आम लोगों के बीच गैरजरूरी चर्चाओं को जन्म दिया! इसमें कोई दो राय नहीं कि उनकी सरकार ने तंत्र में भागीदारी बढ़ाने के लिए बिहार में महिलाओं के लिए पचास फीसद तक आरक्षण की व्यवस्था की, स्कूली शिक्षा में लड़कियों को प्रोत्साहित करने के लिए कई कदम उठाए। बिहार में शराबबंदी के पीछे भी उनका मकसद महिलाओं को सामाजिक-पारिवारिक जटिलताओं और हिंसा से बचाना था। -**राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

'सुप्रीम' फैसला

किसी भी अपराध के संबंध में निर्दोषता की धारणा एक कानूनी सिद्धांत है। जिसके अनुसार किसी भी अपराध के लिए आरोपी प्रत्येक व्यक्ति को तब तक निर्दोष माना जाता है जब तक कि उसे दोषी साबित न कर दिया जाए। देश की शीर्ष अदालत ने अपने कई आदेशों में यह भी स्पष्ट किया है कि ''जमानत देना नियम है और जेल में रखना अपवाद।'' परंतु आए दिन यह देखने को मिलता है कि जब भी किसी आरोपी को निचली अदालत से जमानत दी जाती है तो सरकारी एजेंसियां तुरंत उस फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंच कर रोक लगवा लेती है। बीते मंगलवार सुप्रीम कोर्ट ने इस चलन पर आपत्ति जताते हुए एक अहम फैसला दिया। सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति अभय सिंह ओका और न्यायमूर्ति ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह की खंडपीठ ने धन शोधन के मामले में आरोपी परविंदर सिंह खुराना की याचिका पर सुनवाई करते हुए देश भर के हाई कोर्टों को यह निर्देश दिया कि, ''कोर्ट को स्टे लगाने का अधिकार होता है, लेकिन किसी की जमानत पर यूं ही रोक नहीं लगाई जा सकती। सिर्फ असामान्य मामलों और असाधारण परिस्थितियों में ही ऐसा करना चाहिए। हाई कोर्ट को ऐसे मामलों में सोच समझकर फैसला देना चाहिए। सामान्य तौर पर हाईकोर्ट को जमानत के आदेशों पर रोक नहीं लगानी चाहिए।'' उल्लेखनीय है कि मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपी परविंदर सिंह खुराना को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 2023 में गिरफ्तार किया था, लेकिन खुराना को ट्रायल कोर्ट से जून 2023 में ही बेल मिल गई थी, जिसके खिलाफ ईडी ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के बेल ऑर्डर पर रोक लगा दी। जिसे चुनौती देते हुए खुराना सुप्रीम कोर्ट पहुंचे। सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उनकी स्वतंत्रता को लेकर चिंता जताई। कोर्ट ने कहा कि, ''एक साल तक एक शख्स बिना किसी कारण के जेल में सड़ रहा है।'' केस की पिछली सुनवाई पर ईडी की तरफ से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट से कहा कि खुराना को जमानत मिलते ही वो देश छोड़ कर जा सकता है। यदि वो देश छोड़ कर चला गया तो जमानत के क्या मायने? शीर्ष अदालत ने इस तर्क को अस्वीकार करते हुए यह स्पष्ट किया कि, ''जमानत पर रोक केवल बहुत ही दुर्लभ मामलों में लगाई जा सकती है। यदि आरोपी पर देशद्रोह, आतंकवाद या एनईए जैसे संगीन मामले दर्ज हों तभी जमानत पर रोक लगाई जानी चाहिए।'' गौरतलब है कि देश भर की जेलों में लगभग 6 लाख कैदी बंद हैं। इनमें से बहुत सारे कैदी ऐसे हैं, जिनका आरोप सिद्ध भी नहीं हुआ है। वहीं दूसरी तरफ, जिन मामलों में सीबीआई या अन्य जांच एजेंसियों को तत्परता दिखानी होती है वहां तो रातों-रात गिरफ्तारी भी हो जाती है, परंतु जहां ढील देने का मन होता है या ऊपर से ढील देने के 'निर्देश' होते हैं, वहां विजय माल्या, नीरव मोदी और मेहुल चोकसी जैसे आर्थिक अपराधियों को देश छोड़ कर भाग जाने का मौका भी दे दिया जाता है। यदि जांच एजेंसियां वास्तव में संगीन अपराधों को गंभीरता से लें तो उन्हें देश में लंबित पड़े सैकड़ों मामलों में तेजी दिखानी चाहिए। केवल चुनिंदा मामलों में तेजी दिखाने से जांच एजेंसियों पर सवाल तो उठेंगे ही।

छात्रावास में नवनिर्मित अन्नपूर्णा रसोई का लोकार्पण

जयपुर. शाबाश इंडिया

केशव विद्यापीठ समिति, जामडोली, जयपुर संचालित शंकर लाल धानुका उच्च माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर में उद्योगपति, समाजसेवी और भामाशाह सुनील कुमार ने अपने पूर्वजों की स्मृति में विद्यालय स्थित छात्रावास में अन्नपूर्णा रसोई का निर्माण कराया। इस नवनिर्मित अन्नपूर्णा रसोई का लोकार्पण राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के क्षेत्र संघचालक डॉ. रमेश अग्रवाल ने हवन करके किया। इस मौके पर वनिर्मित रसोईघर में भामाशाह सुरेन्द्र सिह कासेड़ा ने एक रोटीमेकर मशीन भेंट की। विद्यालय के प्राचार्य श्री कृष्ण यादव ने बताया कि इन सभी भामाशाहों का केन्द्रीय विद्यापीठ समिति के अध्यक्ष ओमप्रकाश गुप्ता,विद्यापीठ प्रबंधन समिति के सचिव अनिल कुमार गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारियों ने स्वागत किया। इस अवसर पर क्षेत्र संघचालक डॉ. रमेश अग्रवाल ने भामाशाहों को आगे बढ़कर समाजसेवी शिक्षण संस्थाओं का आर्थिक सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि इस नवनिर्मित रसोईघर से विद्यालय छात्रावास में आवासीय छात्रों के साथ समय-समय पर सामाजिक कार्यक्रमों में भी लोगों को भी भोजन लाभ होगा। कार्यक्रम के अंत में अध्यक्ष गुप्ता ने सभी का आभार जताया।

प्रारंभिक अवस्था में होती है धर्म, अर्थ, काम तीनों की कामनाः वैराग्य श्रीजी

जयपुर. शाबाश इंडिया। गलता गेट स्थित मोहनबाड़ी जैन मंदिर परिसर में मरुधर ज्योति परम पूज्य मणिप्रभा श्रीजी महाराज साहब की सुशिष्या परम पूज्य श्री वैराग्य श्रीजी महाराज साहब म.सा. ने भगवान ही चाहिये के बारे में बताया कि प्रारंभिक अवस्था में धर्म, अर्थ, काम तीनो की कामना होती है किन्तु आगे जाकर अर्थ व काम पुरुषार्थ होता है। पर भावों में

भगवान ही चाहिए की लगन होती है। ''त्वमेव शरण में'' एव=ही मुझे ,,(सिर्फ) आपकी ही शरण चाहिए। धन, वैभव, सम्मान अशरण रूप में भासित होते है। पोदगलिक इच्छा, अपेक्षा, मांग न होने से सहज क्षमा गुण की प्राप्ति होती है, जो भाव पुष्पपूजा का परिणाम है। उन्होंने आगे कहा कि शुभ से संकल्प रूपी धूप को ज्ञानरूपी अग्नि में जलाकर नाश करना धूप पूजा का वास्तविक स्वरुप है शुभ अर्थात पुण्य भी हेय अनुभव होने पर शुद्ध आत्मा की अनुभूति को पूज्य यशोविजय जी म.सा. ने भावदीप पूजा कही, जहाँ आत्मज्ञान का प्रकाश दीपक स्वरूप जगमगाता है।

संस्कारों का पुनरावर्तन: मोहनबाड़ी में विराजित साध्वी श्री मणिप्रभा श्रीजी म.सा. ने अपने प्रवचन में कहा कि जिस गति में जीव जाता है, वहाँ के स्थान, भोग, वासना के अनुसार उसका मन हो जाता है। यह राग की परिणति है। हमें राग को राख करना है। इन्द्रिय विषयों से अपने राग को तोड़ना है। वह कार्य इसी मनुष्य भव में हो सकता है। संघ मंत्री देवेंद्र कुमार मालू ने बताया कि धर्मसभा काफी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं भाग ले रहे है।

डा राजेंद्र जैन द्वारा जैन तीर्थ वंदना एवं दर्शनीय स्थलों का संकलन कर एक बहुउद्देशीय पुस्तक का संकलन किया

कोटा. शाबाश इंडिया

कोटा निवासी डॉ राजेंद्र जैन द्वारा जैन तीर्थ वंदना एवं दर्शनीय स्थल का संकलन करते हुए एक बहु उद्देशीय पुस्तक का लेखन किया गया है जिसकी सराहना सभी जगह हो रही है। आचार्य साधु संतों ने उनके इस कार्य की बहुत सराहना की एवं उन्होंने आशीर्वाद प्रदान किया है। इस पुस्तक का संपादन महावीर जैन द्वारा किया गया है उनके अनुसार कोटा के डॉक्टर आरके जैन द्वारा रचित जैन तीर्थ वंदना एवं दर्शनीय स्थल पुस्तक का सप्तम संशोधित संस्करण प्रकाशित हो गया है। पुस्तक में विशेष बात यह है कि कोटा के डॉक्टर आरके जैन ने भारतवर्ष के सभी जैन तीर्थ एवं मंदिरों का उल्लेख किया है इतना ही नहीं उन्होंने वहां उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी के साथ अतिरिक्त सड़क मार्ग एवं क्षेत्र के समीपस्थ मुख्य नगर की दूरी का विवरण विधिवत संकलित किया है। ताकि यात्रियों को यात्रा करने वालों को सुगमता प्राप्त हो। निश्चित रूप से यह कृति अपने आप में बहुत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने क्षेत्र के दूरभाष नंबर मोबाइल नंबर अपडेशन के साथ मंदिर प्रमुखों का भी वर्णन इस पुस्तक में समावेश किया है। इसी के साथ दिगम्बर श्वेतांबर जैन तीर्थों के नंबर भी एक ही जगह दिया है। इतना ही नहीं नवीन तीर्थों के समावेश के साथ निकटतम दर्शनीय स्थलों का भी विवरण इसमें संकलित किया गया है। यह पुस्तक पाकेट बुक साईज में होने के कारण चलते-फिरते गाइड की भूमिका निभाती है। इतना ही नहीं उन्होंने देश के सभी जैन तीर्थक्षेत्रों को रंगीन नक्शों के साथ भी दशार्या है। जो बहुत महत्वपूर्ण है। जैन ने वर्ष 2012 में इस पुस्तिका का प्रथम संस्करण प्रकाशित हुआ था तब से लगभग 100000 लोग इससे लाभान्वित हुए है। जो अपने आप में एक कीर्तिमान कहा जा सकता है। लगभग 300 पन्नों की यह पुस्तक अपने आप में एक बहुमूल्य और उपयोगी है। जो यात्रियों को यात्रा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। अधिक उम्र होने के बावजूद डॉ राजेंद्र जैन की सक्रियता की जितनी तारीफ की जाए कम है। उनका यह योगदान जैन जगत के लिए अविस्मरणीय रहेगा। मैं अपनी ओर से यही कामना करता हूं कि उनकी कलम और बलवती हो और जिन शासन की प्रभावना में और ज्यादा सक्रियता से कार्य करें।

अभिषेक जैन लुहाड़िया
रामगंजमंडी की रिपोर्ट

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी के प्रवचन

मनुष्य का मन अनुभूत है?
मन हँसाता भी है, रूलाता भी है।
मन मित्र भी बनाता है, तो दुश्मन भी बना देता है।
मन दिशा भी देता है और दशा भी बिगाड़ देता है।
मन सुलझाता भी है और उलझाता भी है।
मन सुख भी देता है, तो दुःख भी देता है।
मन परमात्मा से भी मिलाता है, तो शैतान भी बनाता है।

यदि कोई पूछे कि मन क्या है-? इसका उत्तर अनुत्तरित है। मन का प्रश्न बहुत उलझा हुआ है। सदियों से ये उलझा हुआ आ रहा है और भविष्य में कब सुलझेगा-? पता नहीं। आज सब अपने मन से ही परेशान और अशांत है। आज भी मन एक अनबुझ पहेली बना हुआ है। मन को जहाँ लगाना चाहिए, वहाँ तो लगता नहीं है। और जहाँ नहीं लगाना है, वहाँ से हटता नहीं है। बस मन की यही परेशानी, सबके मन को परेशान कर रही है। मन की बाल्टी पर यदि सन्तोष की पेंदी लगा दो, तो शायद मन इतना परेशान नहीं होगा, जितना बिन पेंदी की बाल्टी से है। मन बदलने में ज्यादा वक्त नहीं लगता है। इसलिए -- सम्मान में फूलो मत.. और अपमान में कूलो मत...।

नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

बच्चों का उज्जवल भविष्य है नवागढ़: सुश्री शुभी जैन फोरेस्ट ऑफिसर

ललितपुर. शाबाश इंडिया। आज प्रागैतिहासिक अतिशय क्षेत्र नवागढ़ में शिवपुरी में पदस्थ फोरेस्ट ऑफिसर सुश्री शुभी जैन भगवान अरनाथ स्वामी के दर्शन करके, यहां के ऐतिहासिक साक्ष्यों का दिग्दर्शन किया। आपने क्षेत्र के दर्शन करते हुए कहा ऐसा अतिशय एवं ऐसी पुरा निधि अन्य जगह देखने को नहीं मिली। श्री नवागढ़ गुरुकुलम में एनसीईआरटी इंग्लिश मध्यम से जो शिक्षण हो रहा है वह बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए आधारशिला होगी। निदेशक ब्रह्मचर्य निशांत भैया नवागढ़ क्षेत्र को जो रूप दे रहे हैं वह पूरे विश्व में जैन इतिहास, संस्कृति एवं अतिशय को प्रसारित करने वाला है। क्षेत्र के महामंत्री वीर चंद्र जैन एवं निर्माण मंत्री सुरेंद्र कुमार जैन, प्रवीण जैन सजल जैन आदि ने भाव भीना स्वागत किया।

जियो का 'फ्रीडम ऑफर': 15 अगस्त तक एयर फाइबर इंस्टॉलेशन मुफ्त, स्मार्टफोन रिचार्ज भी सबसे सस्ते

ग्राहकों को मिलेगा 1000 रुपए का फायदा, जियो स्मार्टफोन रिचार्ज प्लान भी अन्य ऑपरेटर के मुकाबले किफायती

जयपुर. शाबाश इंडिया

रिलायंस जियो ने नए एयरफाइबर ग्राहकों के लिए 'फ्रीडम ऑफर' पेश किया है। इस ऑफर के तहत 15 अगस्त तक कनेक्शन एक्टिवेशन पर इंस्टॉलेशन चार्ज शून्य कर दिया गया है। यह ऑफर तीन, छह और बारह महीने के सभी एयर फाइबर प्लान्स पर लागू है। तीन महीने के प्लान में अब 3121 रुपए की बजाय 2121 रुपए में कनेक्शन मिलेगा, जिससे ग्राहकों को 30 प्रतिशत की बचत होगी। जियो एयरफाइबर अब राजस्थान के 276 से अधिक शहरों और गांवों में उपलब्ध है। इस पैकेज में असीमित वाईफाई, 800 से अधिक चैनल, 15 से अधिक ओटीटी सेवाएं और हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड के साथ वाई-फाई राउटर शामिल हैं। जियो सबसे सस्ते स्मार्टफोन रिचार्ज भी प्रदान करता है, जिससे ग्राहक अन्य टेलीकॉम ऑपरेटरों की तुलना में सालाना 650 रुपए से अधिक बचत कर सकते हैं। राजस्थान में जियो का नेटवर्क कवरेज सबसे बड़ा और सबसे विस्तृत है, जिसमें 4जी के 18,000 से अधिक टावर्स हैं, जो कि सबसे करीबी प्रतियोगी से लगभग 400 टावर्स अधिक हैं। 5जी टावर की संख्या 10,000 से अधिक है, जो कि सबसे करीबी प्रतियोगी से लगभग दोगुना है। सरकारी ऑपरेटर व अन्य छोटे निजी ऑपरेटरों के पास वर्तमान में 5जी सेवाएं नहीं है।

नाग पंचमी पर छोड़े 21 जोड़े नाग-नागिन के

जयपुर. शाबाश इंडिया। सावन कृष्ण पंचमी गुरुवार को नाग पंचमी दिल्ली रोड,बंगाली बाबा गणेश आश्रम स्थित स्वयं आत्माराम जलेश्वर महादेव मंदिर में धूमधाम से मनाई गई। इस मौके पर नागों की पूजा कर दूध,पुआ,पकौड़ी,पूड़ी का भोग लगाया। इस दौरान राहु दोष और काल सर्प दोष युक्त कुंडली के जातकों ने विशेष पूजा करवा कर 21 नाग-नागिन के जोड़ों को टीवी टावर छोड़ा गया। इस दौरान मंदिर प्रांगण भोले बाबा के जयकारों से गूंजता रहा। इस मौके पर श्री चंद्र प्रकाश अग्रवाल भाड़े वाले, नितेश अग्रवाल, नीरज पतंग वाला,विनोद चंदवाजी वाले ,सुभाष दंबीवाले, ब्रजकिशोर डाक वाले,प्रवीण सैनी, मुरली मनोहर शर्मा, पुजारी हनुमान सहाय,कुंज बिहारी खाटूवाले सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

महावीर इंटरनेशनल उदयपुर केंद्र द्वारा स्वर्णिम वर्ष पर सैनेट्री नेपकिन का वितरण

उदयपुर. शाबाश इंडिया

' झिजक छोड़ो चुप्पी तोड़ो' अभियान के तहत महावीर इंटरनेशनल उदयपुर केंद्र द्वारा श्री दिगंबर जैन बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय खेरादीवाड़ा उदयपुर में अध्यनरत जरूरतमंद उच्च माध्यमिक कक्षा की 150 बच्चियों को सेनेट्री नेपकिन पैकेट्स का वितरण प्रातः प्रार्थना सभा में किया गया। जिसमें युवा अध्यक्ष वीर सुनील गांग ने बच्चियों को जीवन यापन, स्वच्छता, मोबाइल फोन के नुकसान पर चर्चा करते हुवे बच्चो से संवाद कर उन्हे प्रेरित किया सचिव रवींद्र सुराणा ने विद्यालय परिवार का आभार व्यक्त किया। वीरा स्नेहलता गांग, वीरा शीलू सुराणा एवं शिक्षिकाओं के सहयोग से सभी बच्चियों को सेनेटरी नेपकिन वितरित किए गए। प्रधानाचार्य श्रीमती कला करणपुरिया ने महावीर इंटरनेशनल उदयपुर केंद्र का आभार व्यक्त करते हुवे बताया कि सेवा संस्थानों में महावीर इंटरनेशनल उदयपुर की एक अलग ही पहचान है।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फैडरेशन के स्थापना दिवस पर 14 से 30 जुलाई तक मानव सेवार्थ पखवाड़ा आयोजित

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप नवकार ने वृद्धाश्रम में सहयोग किया

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप नवकार के द्वारा आत्मनिर्भर वृद्धाश्रम (आशादीप संस्थान द्वारा संचालित) संस्थान में सहयोग किया। अध्यक्ष, मोहनलाल गंगवाल ने बताया कि फेडरेशन स्थापना दिवस पर आयोजित पखवाड़े के अंतर्गत दिगंबर जैन सोशल ग्रुप नवकार के द्वारा दिनांकः 26 जुलाई को प्रातः 11.00 बजे आत्मनिर्भर वृद्धाश्रम (आशादीप संस्थान द्वारा संचालित) संस्थान पर निवास करने वाले 35 वृद्ध सदस्यों की सहायतार्थ नरेंद्र कुमार पाटनी - मंजू पाटनी द्वारा 11,111/-, प्रेमलता सेठी - महावीर प्रसाद सेठी द्वारा 5,000/- एवं सतीश काला - नीलू काला द्वारा 2100/- रुपए का सहयोग प्रदान किया गया। कार्यक्रम में सुरेश जैन बांदीकुई, कैलाश चन्द सेठी, राजेन्द्र कुमार बाकलीवाल, कौशल्या जैन - प्रदीप कुमार जैन, महेन्द्र कुमार कासलीवाल - सुनिला कासलीवाल, रतन सोगानी आदि सदस्यगण उपस्थित हुए। उपस्थित सभी सदस्यों को श्रीमती प्रेमलता सेठी - महावीर प्रसाद सेठी द्वारा थाली रेस्टोरेंट में लंच करवाया गया। अध्यक्ष, मोहनलाल गंगवाल द्वारा सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया गया। पाटनी, सेठी एवं काला परिवार का आभार व्यक्त किया गया।

जैन संत आचार्य 108 श्री आर्जव सागर महाराज ससंघ की चातुर्मास स्थापना रविवार को

चातुर्मास समिति के अध्यक्ष बने जीवन जैन

सौरभ जैन. शाबाश इंडिया

पिड़ावा। सकल दिगंबर जैन समाज पिड़ावा के तत्वावधान में 37वां पावन वर्षा योग चातुर्मास कलश स्थापना त्रिलोक पेलेस नई सब्जी मंडी के पास रविवार को दोपहर 1 बजे सम्पन्न होगी। समाज प्रवक्ता मुकेश जैन चेलावत ने बताया कि पूज्य आचार्य गरूवर 108 श्री आर्जव सागर महाराज, मुनि श्री भाग्यसागर, मुनि श्री महंत सागर, मुनि श्री विभोर सागर, मुनि श्री सजग सागर, मुनि श्री सानंद सागर महाराज का भव्य मंगल चातुर्मास कलश स्थापना रविवार को पिड़ावा में होगी। जिसके लिए तैयारी की जा रही है। वही सकल दिगम्बर जैन समाज पिड़ावा की सर्व सहमति से चातुर्मास समिति का अध्यक्ष जीवन जैन व कोषाध्यक्ष नितिन जैन को बनाया गया।

चातुर्मास समिति का हुआ गठन: गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया

प. पू. भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका रत्न 105 विज्ञाश्री माताजी ससंघ के चातुर्मास कलश स्थापना महोत्सव की तैयारियां सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुंसी में हर्षोल्लास पूर्वक अत्यंत धूम धाम से चल रही है। माताजी ससंघ के आहारचर्या करवाने का सौभाग्य नवरत्न जी जैन निवाई वालों ने प्राप्त किया । साथ ही मालवीय नगर समाज ने भी यह अवसर प्राप्त किया । माताजी के सानिध्य में चातुर्मास सेवा समिति का गठन हुआ। पूज्य माताजी ने सभी को मंगल उद्बोधन देते हुए कहा कि - आप अपने जीवन में दान पूजा आदि कर्तव्यों का पालन करते रहे । अपने गांव , नगर में जितने साधु संतों को आहार देते है उससे दुगुना फल एक क्षेत्र पर जाकर साधु संतों को आहारचर्या कराने का फल मिलता है। आगामी 28 जुलाई 2024 को सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ पर माताजी ससंघ की मंगल कलश स्थापना का महोत्सव होने जा रहा है । अतः आप सभी सपरिवार आमंत्रित है।

चारित्र, संयम और तप तीनों साथ में रहे तो कर्मनिर्जरा होती है: युवाचार्य महेंद्र ऋषि महाराज

चैन्नेई

चारित्र, संयम और तप तीनों साथ में रहे तो कर्मनिर्जरा होती है शुक्रवार को एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में चातुमार्सार्थ विराजित श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषि महाराज ने आयोजित धर्मसभा मे श्रध्दालुओं को सम्बोधित करतें हुए कहा कि जो इकट्ठा किया है, उसे खाली करना है। हमने शरीर के साथ कितनी चीजें इकट्ठी कर ली, यह सोच लीजिए। उन्होंने कहा, कर्म हमारे साथ चलते हैं। कर्म के कारण हमारे जीवन में कई परिस्थितियां बनती है। उसी समय हमारे मन में जिज्ञासा उत्पन्न होती है कि कर्म ही हमारे साथ चलते हैं या और कुछ भी है, जो साथ चलते हैं। भगवान कहते हैं ज्ञान इस भव में उपयुक्त है, परभव में भी साथ देगा। ज्ञान दोनों जगह साथ होगा। उन्होंने कहा, आज हमारे समाज में शिक्षा का महत्व बढ़ रहा है। जो व्यवहार की शिक्षा आप लेते हो, वह जीवन पर्यन्त सुखी रखती है। सम्यक ज्ञान को अपने साथ लिया, तो वह जीवन में साथ देगा। आपको ज्ञान है तो घबराने, डरने की जरूरत नहीं है। ज्ञान और दर्शन इस भव और परभव दोनों जगह साथ में रहते हैं। सिद्धशिला में ज्ञान और दर्शन ही उनके साथ हैं। ज्ञान प्रकट करने के लिए मोह कम करना पड़ता है। बाह्य पदार्थो में मोहनीय कर्म को कम करते हैं तो हमारा ज्ञान बढ़ता है। कपट, अहंकार, किसी की मजाक उड़ाना, किसी के अवगुण देखकर हंसना ये सभी मोह है।आयुष्य पूर्ण कर जीव नई गति में जाता है, तब पहले अपर्याप्त होता है, धीरे-धीरे पर्याप्त पूरा करेगा, फिर संयम ले सकता है। चारित्र केवल इस भव में ही रहता है। चारित्र यानी आचरण, ममता- आसक्ति से छूट जाना। इस भव में जिनवाणी, गुरु का सान्निध्य मिला है। हमें चारित्र ग्रहण करना चाहिए।

इनरव्हील क्लब कोटा नॉर्थ का प्लास्टिक विरोधी अभियान

महिलाओं को 200 सूती बेग वितरित किये

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा। इनरव्हील क्लब कोटा नॉर्थ ने अपने प्लास्टिक विरोधी अभियान के तहत दो सौ महिलाओं को सूती बेग वितरित किये। क्लब अध्यक्ष सरिता भूटानी एवं सेक्रेट्री डॉ विजेता गुप्ता ने बताया कि क्लब की और से माहेश्वरी भवन में प्लास्टिक विरोधी अभियान के तहत महिलाओं को दो सौ सूती बेग वितरित किये और प्लास्टिक की खपत के खिलाफ पर्यावरण के संरक्षण से संबंधित सुझाव दिए गए शहरी क्षेत्रों में मियावाकी पद्धति के अग्रणी नक्शे कदम पर चलते हुए, एक हरित और स्वच्छ दुनिया की दिशा में प्रयास करते हुए, पृथ्वी बचाओ अभियान का अनुसरण किया जा रहा है। प्रदर्शनी देखने आ रही महिलाओं को कपड़े के सीले ज्वेलरी और राखी रखने के बैग दिए प्लास्टिक के खतरों और पर्यावरण सुरक्षा के प्रति अवगत करवाते हुए भविष्य में सूती बेग का ही उपयोग करने की समझाइश की इस प्रोजेक्ट में क्लब की और से श्रीमति शिखा अग्रवाल ने 50 बेग एवं अन्य सदस्यों की और से 150 बेग का सहयोग किया गया इस प्रोजेक्ट में एक हजार रुपये की राशि खर्च की गई । हरित और स्वच्छ दुनियाँ की दिशा में पृथ्वी बचाओ अभियान तभी कामयाब होगा जब हम अपनी रोजमर्रा की ज़िन्दगी में प्लास्टिक मुक्त होकर सूती थेलों के उपयोग का प्रण लेंगे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

श्री शांतिवीर जैन गुरुकुल, जोबनेर में वृक्षारोपण कर मनाया गया कारगिल शहीद दिवस

आयुष पाटनी. शाबाश इंडिया

जोबनेर। जयपुर ग्रामीण श्री शांतिवीर जैन गुरुकुल में कारगिल शहीद दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। मिक्की बड़जात्या ने बताया की इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. मदन देगड़ा, डिप्टी कमिश्नर जीएसटी, जयपुर थे। इस मौके पर भारतीय सेना के अदम्य शौर्य और बलिदान को याद कर शहीदों को नमन और भावांजलि समर्पित की गई। डॉ. मदन देगड़ा ने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वृक्षारोपण करना भी देश सेवा है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक पेड़ अपने जीवन में हमें बहुत कुछ देता है और बदले में कुछ नहीं मांगता। सभी विद्यार्थियों को पेड़ अवश्य लगाना चाहिए और उनकी देखभाल की जिम्मेदारी भी उठानी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जैसे आप देश का भविष्य हैं, वैसे ही वृक्ष भी भविष्य में बहुत उपयोगी साबित होते हैं।कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि श्वेताम्बर समाज के अध्यक्ष मुकेश बम्ब, रिटायर्ड जवान मनीष पाराशर, नोरतन ओसवाल, राजस्थान पत्रिका के पत्रकार सलाउद्दीन कुरैशी, दैनिक भास्कर के पत्रकार राजेश कुमावत, गोकुल बड़जात्या,अंकेश ठोलिया,और मोना बड़जात्या थे। शांतिवीर जैन गुरुकुल समिति के अध्यक्ष श मदन काका बड़जात्या ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और संस्था के पदाधिकारियों ने साफा तिलक लगाकर सभी का सम्मान किया। संस्था के प्रिंसिपल मेडम तिवारी जी,पूजा शर्मा मेडम ने मंच संचालन किया और विद्यार्थियों द्वारा नाटिका के माध्यम से पेड़ की कहानी का मंचन किया गया। इस अवसर पर भाषण, कविता और विभिन्न प्रस्तुतियां भी दी गईं। इस कार्यक्रम के दौरान श्री शांतिवीर जैन गुरुकुल परिसर में 360 पौधों का वृक्षारोपण अतिथियों,स्कूल स्टाफ और बच्चों एवं समाज की महिलाओं द्वारा द्वारा किया गया।

आर्यिकारत्न गुरु माँ नंदीश्वर मति माताजी का ससंघ वर्षायोग 2024 प्रारंभ

मनोज गंगवाल. शाबाश इंडिया

नावा सिटी। परम पूज्या आर्यिकारत्न गुरु माँ नंदीश्वर मति माताजी का 22वां वर्षायोग 2024 नावां सिटी में प्रारंभ होने के साथ ही दिगंबर जैन मंदिर में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन बड़ी धूमधाम के साथ किया जा रहा है गुरुमाँ नंदीश्वर मति माताजी ससंघ श्री सुपार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर के निचे प्रांगण मे विराजमान है। जैन समाज अध्यक्ष नवीन गोधा ने बताया कि चातुर्मास के दौरान जैन समाज द्वारा प्रतिदिन विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है जिसमें प्रातः 6:00 बजे अभिषेक, शांतिधारा, प्रक्षालन के साथ नित्य नियम पूजन की जा रही है ' प्रातः 6:30 बजे से श्री 1008 जिनेन्द्र भगवान के श्री जिन सहस्त्र नाम के जाप का आयोजन किया जा रहा है ' उसके पश्चात प्रातः 8:15बजे से गुरु मां नंदीश्वर मति माताजी के मुखारविंद से प्रवचन दिए जा रहे हैं जिसके माध्यम से अच्छी धर्म प्रभावना हो रही है ' गोधा ने बताया कि प्रातः 9:30 बजे माताजी की आहार चर्या उसके पश्चात माताजी द्वारा दोपहर 3 से 4 बजे तक रयणसार ग्रंथ का स्वाध्याय करवाया जा रहा है। सांय 7:30बजे से श्रद्धालुओं द्वारा सामूहिक आचार्य श्री एवं माताजी की आरती की जा रही है उसके तत्पश्चात गुरुभक्ति, प्रश्न मंच एवं विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है ' प्राप्त जानकारी के अनुसार सकल दिगंबर जैन समाज नावा सिटी द्वारा सभी कार्यक्रम माताजी के पावन सानिध्य में आयोजित किए जा रहे हैं ' गुरुवार को जैन समाज अध्यक्ष नवीन गोधा ने गत एक, तेहरा व ईक्किस जुलाई को आयोजित सभी कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाने वाले समाज के कार्यकारिणी सदस्यों, सुकुमाल युवा मंच के सदस्यों, जैन महिला मंडल, जैन बालिका मंडल, जैन बहुमंडल,सांय कालीन पाठशाला एवं समाज के सक्रिय कार्यकताओं का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया और आगामी कार्यक्रमों में भी इसी प्रकार सहयोग करने का निवेदन किया और प्रतिदिन होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा निर्धारित करने हेतु ब्रह्मचारिणी दीदी से चर्चा कर कार्यक्रम निर्धारित किए जाने की बात कही।

चेस प्लेयर वाणी जैन को किया सम्मानित

जयपुर। मालवीय नगर स्थित दिगंबर जैन मंदिर सेक्टर 3 में चल रही बंधन ग्रुप की दो दिवसीय राखी प्रदर्शनी में मंदिर कमेटी के अध्यक्ष सी एल जैन एवं बंधन ग्रुप की आयोजन कमेटी ने चेस प्लेयर वाणी जैन को समाज का नाम रोशन करने के लिए किया सम्मानित। समाज के प्रतिष्ठित व्यक्ति सुनील जैन गंगवाल, लोकेश सोगानी, संजय जैन एवं अन्य लोगों ने भी वाणी जैन चेस प्लेयर को आशीर्वाद दिया एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। हॉल ही वाणी जैन ने ऐ सी सी ओपन चेस टूर्नामेंट पोद्दार कॉलेज मानसरोवर जयपुर सी पी ए कैटेगरी में प्रथम स्थान प्राप्त किया था एवं बहुत से टूर्नामेंटों मे भाग लेकर कई रिकॉर्ड भी अपने नाम कर अपना और अपने समाज का नाम रोशन किया है। वाणी जैन खाली समय में अपनी स्कूल के विद्यार्थियों को भी चेस खेलना सिखातीं है। वाणी जैन के सहयोग से लगभग 50 विद्यार्थी 29 जुलाई को होने वाले MGGS चेस टूर्नामेंट में भाग ले रहे हैं।

आकांक्षा जैन
आयोजक कमेटी
मालवीय नगर जयपुर
9887977479

क्लब के अधिकाधिक सेवाभावी सदस्यों को जोड़ें: रामकिशोर गर्ग

पद स्थापना अधिकारी ने दिलाई नवगठित टीम को पद की शपथ

रोहित जैन। शाबाश इंडिया

अजमेर। विश्व के सबसे बड़े सेवा संगठन लायंस क्लब्स इंटरनेशनल की अजमेर शाखा लायंस क्लब अजमेर आस्था का 24 वा पद स्थापना समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि के पद पर आसीन प्रांतपाल 2025.26 लायन रामकिशोर गर्ग ने सभी सदस्यो से क्लब से नए सदस्यो को जोड़ने का आव्हान किया। जिससे पीड़ित मानव सेवार्थ अधिक से अधिक सेवा कार्य संपादित हो सके। कार्यक्रम संयोजक लायन अतुल पाटनी ने बताया कि समारोह के पदस्थापना अधिकारी एवम मुख्य वक्ता भीलवाड़ा निवासी उप प्रांतपाल द्वितीय लायन निशांत जैन ने क्लब की नवगठित टीम के अध्यक्ष लायन रूपेश राठी के नेतृत्व में चुनी गई कार्यकारिणी सदस्यों को उनके कर्तव्यो का बोध कराया । संयोजक लायन पदम चंद जैन ने बताया कि लायन रूपेश राठी के पदभार ग्रहण करने के अवसर पर समाजसेवी लायन राकेश पालीवाल, लायन अतुल पाटनी, पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष लायन मधु पाटनी, लायन पदम चंद जैन, कोषाध्यक्ष लायन हेमंत गट्टी उद्योगपति ओम प्रकाश शर्मा, सरोज अग्रवाल एवम श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति अजमेर की सदस्याओं के सहयोग से जीवदया के अंतर्गत आनंद गोपाल गऊशाला की दो सो अशक्त गोवंश को हरा चारा एवम गुड अर्पण किया,लुहार बस्ती अजयनगर में जीवन यापन कर रहे 100 बच्चो को गणवेश की सेवा दी गई, लाडली घर की दृष्टिहीन बालिकाओं को अल्पाहार कराया गया,तीर्थराज पुष्कर में स्थापित विमांदित बच्चो का विद्यालय ज्योतिर्गमय सेवा संस्थान के 60 बच्चो को टी शर्ट एवम ब्लोअर, तीन बधिर पुरुष एवम वृद्ध महिलाओ को आधुनिक श्रवण यंत्र, स्वरोजगार हेतु बालिका को फुट सिलाई मशीन, ग्राम बंदिया की राजकीय विद्यालय में आने वाले 50 बच्चो के लिए शैक्षणिक सामग्री,दो दृष्टि बाधित बालिकाओं को शैक्षणिक शुल्क,ब्यावर के इंडस्ट्रियल एरिया नीमली स्थापित चाइल्ड केयर सेंटर जहा मजदूर वर्ग के 60 बच्चे प्रातः8 से सांय 5 बजे तक शिक्षा के साथ संस्कार ग्रहण कर रहे है को 60 फैंसी ड्रेस प्रदान की गई। इस अवसर पर क्लब से जुड़ने वाले नए सदस्य दीनदयाल शर्मा,प्रीति शर्मा,पंकज जोशी एवम किरण जोशी को शपथ दिलाई गई। क्लब अध्यक्ष रूपेश राठी ने बताया कि समारोह में मुख्य अतिथि उप प्रांतपाल प्रथम लायन राम किशोर गर्ग, उप प्रांतपाल द्वितीय लायन निशांत जैन,पूर्व प्रांतपाल लायन ओ एल दवे,लायन सतीश बंसल,संभागीय अध्यक्ष लायन अमितप्रभा शुक्ला,क्षेत्रीय अध्यक्ष लायन अनिल कुमार छाजेड लिया। पी के शर्मा,लायन राजकुमारी पांडे,क्लब के सदस्यगण,प्रांतीय माइक्रो एवम केबिनेट के सदस्य अन्य क्लब के अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष एवम गणमान्य नागरिक के साथ सेवा प्रकल्पों के माध्यम से लाभान्वित व्यक्ति उपस्थित रहें। इससे पूर्व सदन में राष्ट्रगान गाया गया,लायन आशा राठी ने ध्वज वंदना प्रस्तुत की साथ ही विश्व शांति के लिए मोन प्रार्थना की गई। अध्यक्ष लायन अनिल छाजेड़ ने सभी आगंतुकों का शब्दो से स्वागत किया कमल बाफना ने सचिव प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, लायन रूपेश राठी ने निवर्तमान अध्यक्ष सचिव कोषाध्यक्ष द्वारा बीते वर्ष में उल्लेखनीय कार्य को संपादित करवाने हेतु स्मृति चिन्ह भेंट करवाए। अंत में लायन संजय जैन ने आभार ज्ञापित किया

लायंस क्लब अजमेर वेस्ट द्वारा निशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर आयोजित

रोहित जैन.शाबाश इंडिया

अजमेर। लायंस क्लब अजमेर वेस्ट द्वारा शुक्रवार ,26 जुलाई को जोड़ प्रत्यारोपण परामर्श का निशुल्क शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम के संयोजक पूर्व प्रांत पाल लायन सतीश बंसल ने बताया की शिविर में 80 मरीजों ने चेक अप एवं परामर्श प्राप्त किया। शिविर में इंपीरियल हॉस्पिटल जयपुर के जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ डॉक्टर सचिन गुप्ता द्वारा अपनी सेवाएं निशुल्क प्रदान की गई। शिविर के आयोजक लायन आशीष सारस्वत द्वारा श्रद्धा हेल्थ केयर सेंटर ,में (सावित्री कॉलेज के सामने) लगाया गया । कार्यक्रम में पूर्व प्रांतपाल लायन ओंकार लाल दवे एवं लायन सतीश बंसल, रीजन चेयरपर्सन लायन अमितप्रभा शुक्ला क्षेत्रीय अध्यक्ष लायन पी के शर्मा, पूर्व अध्यक्ष लायन राकेश शर्मा, लायन रियाज अहमद मंसूरी,,लायन अब्दुल फरीद लायन अजीत मोंगा ,लायन राकेश वर्मा ,लायन हेमंत गुप्ता सहित अन्य सदस्यों ने सेवाए दी। लायंस क्लब अजमेर वेस्ट की ओर से अध्यक्ष सी पी गुप्ता द्वारा डॉक्टर सचिन गुप्ता एवं उनके सहयोगी को दुपट्टा पहना कर तथा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के समापन पर लायन नीलू टॉक द्वारा अल्पाहार का आयोजन किया गया । कोषाध्यक्ष लायन पी पी गुप्ता द्वारा चिकित्सा शिविर के लिए सफल बनाने के लिए सभी का आभार व्यक्त किया गया।